

विषय सूची

सम्पादकीय : संजीव कुमार शर्मा

लेखक परिचय

1. कौशल कुमार मिश्रा
'नीतिवाक्यामृतम' में राज्य और राजनीतिक परम्परा का अध्ययन 245—252
2. ज्योति सिंह
राजदर्शन: प्राच्य एवं पाश्चात्य 253—270
3. राजेन्द्र भारती
प्राचीन भारत में जनपदीय शासन पद्धति 271—278
4. मो० कमरान खान
वैश्वीकरण और राष्ट्र राज्य की अवधारणा 279—288
5. वीणा शंकर
आधुनिक भौतिकवाद के सन्दर्भ में चार्वार्क की प्रासंगिकता 289—294
6. रामकृष्ण जायसवाल, कुमुद रंजन
वैश्विक स्तर पर भारत की राजनीतिक स्थिति : एक विहंगम दृष्टि 295—304
7. प्रीति व्यास
आधुनिक उपभोक्ता संस्कृति का विकल्प गांधीकृत संस्कृति 305—322
8. राकेश कुमार झा, पूनम गर्ग
आतंकवाद की समस्या : गांधीय विकल्प 323—336
9. सच्चिदानन्द मिश्र
भारत में संसदीय संस्कृति एवं दलीय राजनीति 337—348
10. रमेश कुमार चौधरी
नक्सलवाद की समस्या एवं चुनौती 349—356
11. अर्चना कुमारी
भारत में महिला राजनीतिक नेतृत्व के आयाम 357—370
12. जयमाला कुमारी, अनिल कुमार राय
जनजातीय समाज पर औद्योगिक विकास का प्रभाव : एक अध्ययन 371—378
13. उमा शर्मा
महिलाओं के प्रति बढ़ती घरेलू हिंसा : समस्या एवं समाधान 379—386
14. विजय कुमार
भूमण्डलीकरण का भारतीय शहरी परिवारों पर प्रभाव 387—394
15. राखी पंचोला
त्रिस्तरीय पंचायत उत्तराखण्डी महिला 395—402
16. झूमा मंडल
बिहार में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता 403—412

17. सुभाष चन्द्र पंचायती राज और ग्रामीण आर्थिक विकास	413—424
18. किरण राठौड अभिजनवादी परेतो, मोस्का एवं मिचेल्स के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन	425—436
19. राधा कृष्ण पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भूमिका समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ	437—454
20. विमल कौशिक महिला अधिकार संरक्षण : एक विश्लेषण	455—468
21. अलका आर० गुप्ता भारतीय नारी : सशक्तीकरण के विभिन्न आयाम	469—478
22. कामना सिंह कांग्रेस : अतीत से वर्तमान तक	479—486
23. अमित कुमार सिंह बसपा की सोशल इंजीनियरिंग : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	487—498
24. चन्द्र मोहन कुमार, हरि नारायण चौरसिया भारत की विदेश नीति : एक समीक्षात्मक अध्ययन	499—514
25. इन्द्र भूषण सिंह, उषा कुमारी वैश्वीकरण में गाँधीवाद की प्रासंगिकता	515—524
26. आनन्द आजाद भारतीय संघवाद और अनुच्छेद 356	525—538
27. शैलेश आनन्द आतंकवाद के खतरे और भारत की सुरक्षा तैयारियाँ : एक आलोचनात्मक विश्लेषण	539—558
28. देवेन्द्र कुमार भारत में सामाजिक न्याय की संकल्पना और डॉ० भीमराव अम्बेडकर का योग	559—574